हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 4 मार्च 2025

11 खाटू श्याम जाने वाले निशान पद यात्रियों के लिए सेवा शिविर शुरू

12 पुलिस कार्यप्रणाली से गुस्साएं कर्मी, नप गेट को बंद कर दिया...

खबर संक्षेप

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

महेंद्रगढ़। कनीना-महेंद्रगढ़ रेल मार्ग पर ट्रेन की चपेट में आने से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जीआरपी पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मृतक का नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार जीआरपी पुलिस को सूचना मिली थी महेंद्रगढ़-कनीना रेल मार्ग के मध्य किलोमीटर नंबर 127/07-127/ 09 पर गांव बवानिया निवासी अंकित की मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल के मोर्चरी गृह में रखवाया गया। इसके बाद पुलिस ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया है।

श्याम कॉलोनी में सुंदरकांड पाठ आज

नारनौल। श्री मेहंदीपुर बालाजी मित्र मंडल के तत्वावधान में मंगलवार रात को श्याम कॉलोनी गली नंबर एक स्टेडियम के सामने मनीष अग्रवाल के निवास स्थान पर सुंदरकांड पाठ किया जाएगा। मंडल के सदस्य राकेश गुप्ता ने बताया सुंदरकांड पाठ की अध्यक्षता मंडल के प्रधान महावीर प्रसाद अग्रवाल करेंगे। सुंदरकांड के बाद भजनों का दौर होगा। जिसमें शहर के गायक कलाकार भजनों से बालाजी महाराज का गुणगान करेंगे।

वरिष्ठ नागरिक संगठन की बैठक नौ को

नारनौल। वरिष्ठ नागरिक संगठन की मासिक बैठक नौ मार्च को होगी। वरिष्ठ नागरिक संगठन के संयुक्त सचिव शिवहरि अग्रवाल ने बताया कि संगठन की मासिक बैठक किला रोड स्थित साध्वी बहन मिश्री देवी आश्रम में नौ मार्च को सुबह 11 बजे संगठन के प्रधान दुलीचन्द शर्मा की अध्यक्षता में होगी। जिसमें वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं के अतिरिक्त शहर के ज्वलंत मुद्दों पर भी विचार विमर्श किया जाएगा।

महाविद्यालय अटेली में नशा मुक्ति रैली निकाली

मंडी अटेली। राजकीय महाविद्यालय अटेली में सात दिवसीय एनएनएस शिविर के चौथे उनिंदा में नशा मुक्ति रैली द्वारा एवं ग्राम चौपाल पर नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन कर ग्रामीणों को जागरूक किया। रैली को रिटायर्ड डीएसपी गूगन राम यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अनुसूचित जाति को राज्य में 20 फीसदी आरक्षण निर्धारित

अनुसूचित जाति के दो भागों में विच्छेद होने से अलग-अलग बन रहा सर्टिफिकेट, माता-पिता के प्रमाण की नहीं है आवश्यकता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

प्रदेश में परिवार पहचान पत्र योजना लागू होने के बाद इनकम सर्टिफिकेट, जाति प्रमाण पत्र, ईडब्लूएस सर्टिफिकेट बगैर फाइल के बनना शुरू हुई। जाति प्रमाण पत्र में बीसी ए, बीसी बी, ओबीसी, डीएससी और ओएससी सर्टिफिकेट जारी की जा रही है। पहले अनुसूचित जाति के लिए एक ही सर्टिफिकेट जारी की जाती थी लेकिन बीते कुछ दिनों से अनुसूचित जाति को दो भाग डीएससी और ओएससी में बांट दिया गया है। अनुसूचित जाति को राज्य में 20 फीसदी आरक्षण निर्धारित है लेकिन अब अनुसूचित जाति में वर्गीकरण के पश्चात वंचित अनुसूचित जाति को कुल अनुसूचित आरक्षण का 50 प्रतिशत प्रदान किया गया है। इस तरह संशोधन के पश्चात ऑनलाइन माध्यम से डीएससी और ओएससी की अलग सर्टिफिकेट बनने लग गए है। इन सर्टिफिकेट को बनाने में अभिभावक के प्रमाण पत्र की जरुरत नहीं है।

पिछड़ा वर्ग की सर्टिफिकेट के लिए माता पिता की फैमिली आईडी की जरुरत होती है क्योंकि उसके लिए माता पिता की इनकम का मानदंड रखा गया है। इस तरह इनकम मानदंड का मिलान करने के लिए माता पिता के नाम की वर्तनी (स्पेलिंग) भी मिलाई जा रही है। जिसका नागरिक विरोध कर रहे है।

इनकम मानदंड का मिलान सही

नागरिक रोहित कुमार का कहना है कि ऑनलाइन प्रणाली में जातिगत भेदभाव किया गया है। सरकारी नियमों के अनुसार इनकम मानदंड का मिलान करना सही है लेकिन माता पिता के नाम की वर्तनी (स्पेलिंग) का मिलान करना गलत है। अनुसूचित जाति की सर्टिफिकेट जारी करने में माता पिता के नाम की वर्तनी (स्पेलिंग) का मिलान नहीं किया जाता। इससे पिछड़ा वर्ग के अनेक विद्यार्थी आरक्षण से वंचित रहते है। माता पिता के नाम की वर्तनी (स्पेलिंग) में छूट का प्रवधान किया जाए।

इन जातियों के लिए बनेंगे अलग सर्टिफिकेट

वंचित अनुसूचित जाति में वाल्मिकी, चूड़ा, भंगी, धानक, ओड, बाजीगर, मजहबी, मजहबी सिख, आद धर्मी अहेरिया, अहेरी, हरी, हेरी, थोरी, तुरी, कोरी, कोलि, फरेरा राय सिख, पासी, बटवाल, बरवाला, बौरिया, बावरिया, मेघ, मेघवाल, खटिक, कबीरपंथी, जुलाहा, सैंसी, भेडकूट, मनेश, डूमना, माशा, डूम, सिकलीगर, बारिया, सपेला, सपेरा, सिरकिबंद, डेहा, ढाया, डिया, नट, बडी, बंजारा, बंगाली, बारर, बुरार, बेरार, सनही, परना, गंडिला, गांडिल, गंडोला, ढोगरी, ढांगरी, सिग्गी, मरिजा, मारेचा, छनाल, दागी, डरेन, सनहल, गगरा, संसोई और सरेरा शामिल है। इसी तरह अन्य अनुसूचित जाति में रेहगर, रैगर, रामदासी, रविदासी, बलाही, बटोई, भटोई, भांबी, चमार, जाटव, जाटवा, मोची, रामदासिया शामिल है। इन जातियों के अलग सर्टिफिकेट बनाने का नियम किया गया है।

डीएससी जातियों के लिए प्रावधान

भर्तियों के दौरान वंचित अनुसूचित जाति के उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं तो शेष रिक्त पद अन्य अनुसूचित जाति के उपयुक्त उम्मीदवारों की नियुक्ति पर विचार किया जा सकता है। इसी तरह 20 फीसदी एससी कोटे का आधा हिस्सा अन्य अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित होगा। इसमें यदि अन्य अनुसूचित जाति के उपयुक्त उम्मीदवार उपलब्ध नहीं है, तो शेष रिक्त पदों को भरने के लिए वंचित अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की नियुक्ति पर विचार किया जाएगा।

हरियाणा सरल पोर्टल पर डीएससी व ओएससी सर्टिफिकेट का ऑप्शन उपलब्ध

सरल पोर्टल के माध्यम से राज्य के नागरिकों को जाति प्रमाण पत्र, हरियाणा निवास प्रमाण पत्र, इनकम सर्टिफिकेट, पुलिस वेरिफिकेशन जैसी अनेक सेवाएं दी जा रही है। पहले अनुसूचित जाति की सभी जातियों के लिए एक ही सर्टिफिकेट जारी की जाती थी लेकिन अब जातियों को दो भागों में बांटने से डीएससी और ओएससी सर्टिफिकेटों का अलग अलग ऑप्शन दिया गया है जिससे नागरिक निर्धारित श्रेणी अनुसूचित सर्टिफिकेट जारी करवा सकते है।

जिला पुस्तकालय के सामने 20 फुट गहरी सीवर लाइन की खुदाई करके दबाई जाएगी नई लाइन

शहर की सीवर समस्या हल करने में जुटा जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आजकल जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग शहर की सीवर समस्या को हल करने में जुटा हुआ है। बस स्टैंड से रेवाड़ी रोड पर जिला पुस्तकालय के सामने जो सीवर लाइन अवरुद्ध पड़ी थी, आजकल उसी लाइन को बदलकर बड़ी लाइन दबाने का कार्य किया जा रहा है। इस लाइन को दो बार उखाड़ा जा चुका है, लेकिन पिछला प्रयास विफल रहा था, जिस कारण अब पुनः प्रयास किया जा रहा है। कामयाबी मिलेगी या नहीं, यह अभी भविष्य के गर्भ में छुपा हुआ है।

बता दें कि वर्ष 2012-13 में जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग ने नारनौल शहर में नई एवं बड़ी सीवरेज लाइन डाली थी। ऐसा शहर की आबादी का घनत्व बढ़ने के कारण किया गया था, लेकिन पूर्व में जो सीवर लाइनें थी, वह पाइपलाइन कम क्षमता वाली थी, जबकि आबादी बढ़ने पर लाइनें भी बड़ी चाहिए थी। जब यह नई बड़ी लाइनें डाली गई थी, तब हाउसिंग बोर्ड से लेकर महावीर चौक से होते हुए बस स्टैंड की तरफ डाली गई थी। इसी प्रकार शहर के अंदर पुल बाजार की तरफ से झलक नाले में बड़ी लाइनें रेवाड़ी रोड तक डाली गई थी और रेवाड़ी रोड से यह एसटीपी, जो चिंकारा रेस्ट हाउस के समीप बनी हुई है, वहां तक बड़ी लाइनें दबाई गई थी। तब तत्कालीन प्रशासनिक अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने दावा किया था कि आने वाले 30-35 सालों तक यह सीवर लाइनें काम करती रहेंगी और शहरवासियों को सीवर की कभी कोई समस्या नहीं आएगी, लेकिन तब उनका यह दावा खोखला सिद्ध हुआ था, क्योंकि इन बड़ी लाइनें दबाने के बावजूद शहर में सीवर समस्या उभर आई थी। जगह-जगह सीवर ओवरफ्लो होने लगे थे। ओवरफ्लो सीवर की समस्या से डीसी की कोठी तक अछूती नहीं रही थी और शहर में बार-बार ऐसे हालात बने कि जहां देखो वहीं सीवर ओवरफ्लो नजर आते थे और सड़कों एवं गलियों में सीवर की गंदगी बहती रहती थी। शहरवासियों का जीवन ही नरक बनने लगा था, जो अब तक वह सिलसिला बदस्तूर जारी है। पार्क गली के दुकानदार तो ओवरफ्लो सीवर से इतने तंग हो चुके हैं, वह मार्केट बंद करके अपना विरोध तक दर्ज करा चुके हैं, लेकिन स्थाई समाधान नहीं हो पा रहा।

नारनौल। सीवर समस्या की मरम्मत करने में जुटे मजदूर व कारीगर। फोटो : हरिभूमि

बस स्टैंड के पास बैठी हुई है लाइन

जब शहर में नई सीवर लाइन डाली गई थी, तब बस स्टैंड मार्ग पर भी नई लाइन दबाई गई थी, जो 600 एमएम पाइप लाइन वाली थी, लेकिन जब लाइन दबाने उपरांत लाइन में सीवरों के कनेक्शन किए गए, तब वह भर गई और जिला पुस्तकालय के सामने जमीन के अंदर ही अंदर बैठ गई। यहां लाइन बैठने से आगे का लिंक खत्म हो गया और सीवर अवरुद्ध हो गए थे।

मोटर से चलती थी सीवर लाइन

जिला पुस्तकालय के सामने की सीवर लाइन को जब ठीक करने का प्रयास किया गया था, वह पूर्णतया ठीक नहीं हो पाई थी और पुनः लाइन बैठ गई थी। इस कारण लाइन चलाने के लिए अलग से पाइप लाइन डालकर उनके बीच में एक बिजली की मोटर लगा दी थी। इस मोटर को दिन-रात चलाकर एक छोर से सीवर उठाकर दूसरे तरफ लाइनों में पास किया जाने लगा, लेकिन यह समस्या स्थाई समाधान का रूप नहीं ले पाई, क्योंकि जब भी बरसात आती वह पानी इन लाइनों में घुस जाता और लाइनें भरकर ओवरफ्लो हो जाती है।

अब दूसरी बार किया जा रहा मरम्मत कार्य

जिला पुस्तकालय के सामने रेवाड़ी रोड पर जहां पहले मरम्मत कार्य किया जा चुका है, वहीं पर आजकल जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के कर्मचारी व अधिकारी जुटे हुए हैं। जेसीबी से गहरी खुदाई करके पुरानी लाइनों की जगह लाइन डाली जा रही है, लेकिन वर्तमान में खुदाई वाली जगह में सीवर की गंदगी भर गई है, जो मरम्मत कार्य में जुटे मजदूरों एवं मिस्त्रियों के गले की फांस बन गई है।

यह कहते हैं अधिकारी

जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी विभाग के जेई आकाश ने बताया कि सीवर समस्या को हल करने के लिए फिर से खुदाई की गई है, जो करीब 20 जमीन के अंदर है। पुरानी बैठी हुई लाइन को हटाकर नई पाइप लाइन दबाए जा रहे हैं, लेकिन फिलहाल खुदाई वाली जगह सीवर की गंदगी भर गई है। पहले उसकी छंटाई होगी, उसके बाद ही यहां कार्य पूर्ण हो सकेगा। उम्मीद है इस बार मरम्मत कारगर सिद्ध होगी तथा समस्या से निजात मिल जाएगी।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो पर हुई कार्रवाई

नारनौल। मार्केट में व्यापारियों से अपील करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देश पर पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल हुई वीडियो के संबंध में की कार्रवाई है। बता दें कि सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक वीडियो पर कड़ा संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ के निर्देशानुसार थाना शहर पुलिस ने उनके खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की है। इस वीडियो में एक सेल्समैन की ओर से ग्राहक के साथ अभद्र व्यवहार करने का मामला सामने आया था। इसके साथ ही पुलिस ने मार्केट में पैदल मार्च निकालकर व्यापारियों से आह्वान किया कि ग्राहकों के साथ तहजीब से पेश आएं, सामान खरीदने के लिए ग्राहक पर अनावश्यक दबाव ना बनाएं। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई की है तथा ऐसा करने वाले के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की है। पुलिस ने मार्केट में पैदल मार्च निकालकर व्यापारियों से अपील की कि वे ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार करें और उन पर अनावश्यक दबाव न डालें। पुलिस ने व्यापारियों को समझाया कि ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार करना न केवल उनके व्यवसाय के लिए आवश्यक है, बल्कि यह समाज में शांति और सौहार्द को भी बढ़ावा देता है। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि पुलिस नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि वे अपने आसपास के क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

ताजपुर में मेला 6 से, 14 मार्च को होगा भंडारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

बाबा नृसिंह सिंह भगवान का विशाल मेला ताजपुर में छह मार्च से प्रारंभ होगा। मेले में विभिन्न प्रकार की खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मेले में बुजुर्गों की दौड़ करवाई जाएगी। जानकारी देते हुए पूर्व सरपंच इंद्रजीत व टाईगर ने बताया कि मेले में छह मार्च क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। सिंचाई विभाग के एसडीओ अशोक यादव मुख्य अतिथि होंगे। प्रथम आने वाली को टीम को 51 हजार, द्वितीय को 31 हजार व तृतीय को 11 हजार व चतुर्थ को 5100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। प्रतियोगिता में मैन ऑफ सीरीज को भी 5100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। मेले में समापन समारोह में मुख्य अतिथि समाजसेवी जगमोहन शर्मा होंगे।

रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का होगा आयोजन

12 मार्च को बाबा नृसिंह दास मेले में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसके बाद 13 मार्च को वॉलीबॉल स्मेसिंग में प्रथम को 31 हजार व द्वितीय को 15 हजार व तृतीय को 11 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। वही कबड्डी प्रतियोगिता 14 मार्च को होंगी जिसमें प्रथम को 21 हजार, द्वितीय को 11 हजार, तृतीय को 4100 व चतुर्थ को 2100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। कुश्तियां भी इसी दिन होंगी, जो 51 रुपये से 31 हजार रुपये तक की होंगी। मेले में लंबी कूद, ऊंची कूद व लडके तथा लड़कियों की दौड़ भी करवाई जाएगी। कबड्डी प्रतियोगिता 13 मार्च में प्रथम विजेता टीम को 21 हजार, द्वितीय 11 हजार, तृतीय 4100 रुपये का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। बाबा का जागरण व भंडारा 14 मार्च को होगा, जिसमें संजय पटेली, कंचन यादव, अरुण बोस, मनु तंवर, मनीषा मरजानी आदि कलाकार रंगारंग कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देंगे।

ईवीएम की सुरक्षा में 24 घंटे तैनात रहेगी पुलिसः एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

अटेली व कनीना नगर पालिका चुनाव मतदान के बाद सभी ईवीएम को स्ट्रॉन्ग रूम में सील कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने सोमवार को अटेली स्ट्रॉन्ग रूम का औचक निरीक्षण किया। एसपी ने स्ट्रॉन्ग रूम का दौरा का सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और ड्यूटी पर तैनात जवानों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर एसपी ने बाहरी व भीतरी सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को मतदान केंद्र पर ड्यूटी के बारे में विस्तार से समझाया गया। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा में जिला पुलिस बल के अलावा आईआरबी की टीम को तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि ईवीएम की सुरक्षा को लेकर विशेष सुरक्षा घेरा तैयार किया गया है। स्ट्रॉन्ग रूम को कैमरों से लैस किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा के लिए संबंधित डीएसपी को नियुक्त किया गया है। इनकी सहायता के लिए निरीक्षकों की तैनाती की गई है। सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए संबंधित थाना प्रबंधक को गश्त के निर्देश दिए गए हैं।

नारनौल। स्ट्रॉन्ग रूम का निरीक्षण करने पहुंची एसपी पूजा वशिष्ठ। फोटो : हरिभूमि

चेयरमैन प्रत्याशियों ने अटेली थाने पहुंच रखा अपना पक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली पुलिस द्वारा अटेली नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव, उनके चालक समेत पांच के विरूद्ध विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज होने पर कस्बे में खासी चर्चा रही। वहीं अटेली थाने में रविवार रात्रि को भूपेश गुप्ता के समर्थकों द्वारा वार्ड चार में मृतक का वोट डालने को लेकर थाने में दोनों पक्षों ने अपना पक्ष रखा। थाने में चेयरमैन प्रत्याशी भूपेश गुप्ता व उनके समर्थक पूर्व चेयरमैन विकास यादव आदि के अलावा दूसरा पक्ष संजय गोयल व उनके समर्थकों का थाने के बाहर पुलिस की मौजूदगी में बहस हुई। भूपेश गुप्ता के एजेंट व समर्थकों ने कहा कि मृतक मतदाता का वोट डालने वाले पर चुनाव आयोग की धाराओं के तहत मामला दर्ज होना चाहिए। पूर्व चेयरमैन विकास यादव के साथ आए भूपेश गुप्ता आदि ने कहा कि चुनाव से एक दिन पूर्व 28 फरवरी को अटेली नपा के पूर्व चेयरमैन विकास यादव पर मामला दर्ज करना गलत है। पूर्व चेयरमैन पर हमला हुआ तथा उस पर ही मामला दर्ज करना समझ से परे है। वहीं संजय गोयल ने कहा कि पूर्व चेयरमैन ने रात्रि के समय हमारे परिवार के बच्चों पर गाड़ी चढ़ाने के साथ उनकी गाड़ी को भी तोड़ने का प्रयास किया था। वहीं नपा के चेयरमैन विकास यादव ने कहा कि वह उस दिन व अटेली मंडी की तरफ जा रहा था। रास्ते में पूर्व पार्षद के परिवार वालों ने उसका रास्ता रोक कर उसके साथ अभद्र व्यवहार किया। उसके साथ हुई घटना के बाद वह अटेली अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भी गया।

सख्ती परीक्षा में नकल को लेकर प्रशासन सख्त

फील्ड में 9 फ्लाइंग स्क्वाड, स्कूल के अंदर मिली गड़बड़ तो निरीक्षक व केंद्र अधीक्षक का नाम भी एफआईआर में जुड़ेगा

- स्कूल के अंदर की गड़बड़ी पर निरीक्षक व केंद्र अधीक्षक होंगे जिम्मेदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

जिला महेंद्रगढ़ में दसवीं व 12वीं की नकल रहित परीक्षा करवाने के लिए प्रशासन प्रतिबद्ध है। जिलो के सभी 52 परीक्षा केंद्रों पर पुलिस का सख्त पहरा रहेगा। इसके अलावा सभी फ्लाइंग स्क्वाड टीम पूरी तरह से सक्रिय रहेंगी। अगर स्कूल के अंदर कोई गड़बड़ होती है, तो संबंधित कमरे का निरीक्षक तथा केंद्र अधीक्षक का भी एफआईआर में नाम जोड़ा जाएगा। यह बात सोमवार को उपायुक्त डा. विवेक भारती ने पंचायत भवन में जिला के सभी केंद्र अधीक्षक व फ्लाइंग स्क्वाड की बैठक में दिए। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री खुद इस मामले को बहुत ही गंभीरता के साथ ले रहे हैं। ऐसे में परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की गड़बड़ी के लिए संबंधित के खिलाफ जिला प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। अगर किसी स्कूल में बाउंड्री वॉल नहीं है, तो बैरिकेडिंग करवाई जाए। जहां उपरी मंजिल उपलब्ध है।

नारनौल। परीक्षा केंद्र जैलाफ का निरीक्षण करते एसडीएम रमित यादव। फोटो : हरिभूमि

पूरे स्कूल में केंद्र अधीक्षक के पास ही रहेगा मोबाइल

नकल रहित परीक्षाओं को लेकर पंचायत भवन में बुलाई बैठक में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर केंद्र अधीक्षक के अलावा किसी के पास भी मोबाइल फोन नहीं होना चाहिए। किसी एक काउंटर पर सभी अध्यापकों तथा कर्मचारियों के मोबाइल जमा कराए जाएं। उन्होंने बताया कि पुलिस की पेट्रोलिंग पार्टियां लगातार परीक्षा केंद्रों का दौरा करेगी। किसी भी परीक्षा के अंदर अनधिकृत व्यक्ति नहीं मिलना चाहिए। पुलिस हर मामले में त्वरित कार्रवाई करेगी।

हर दिन लिखतीं नई कहानी

एक दौर था, जब आधी आबादी की स्थिति बहुत दयनीय थी, वह तमाम संकटों-यातनाओं से घिरी थी, दूसरों पर पूरी तरह निर्भर थी, उसका कोई अस्तित्व नहीं था। लेकिन समय के बदलाव के साथ स्त्रियों की स्थिति बदली, वे आत्मनिर्भर बनीं। उन्होंने नई इबारत लिखनी शुरू की। आज की स्त्रियां विकासोन्मुखी हैं, उनकी अपनी एक अस्मिता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च) पर अतीत से लेकर अब तक आधी आबादी के बदलते परिदृश्य पर एक विहंगम दृष्टि।

आवरण कथा

क्षमा शर्मा, साहित्यकार

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 8 मार्च का दिन इस लेखिका को पचास साल पहले ले जाता है, जब गांव में घर की फर्श पर लेटी थी कि रेडियो पर खबर आई कि संयुक्त राष्ट्र ने यह साल यानी कि 1975 को अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष घोषित किया है। उन दिनों इतनी समझ नहीं थी, लेकिन बाद में समझ में आया कि जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी दिवस को मनाने की घोषणा की जाती है तो इसका मतलब होता है, जिसके बारे में यह घोषणा की गई है, उसके बारे में सोचना, जागरूक होना। दुनिया भर में सरकारों से उनके समर्थन में नीतियां बनवाना। उन्हें लागू कराना।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ी महिलाएं: एक जनगणना में यह भी बात सामने आई कि अब गांवों में भी महिला शिक्षा और उनकी आत्मनिर्भरता पर जोर है। महिलाओं की आत्मनिर्भरता ने उन्हें बताया कि अब वे पैसे-पैसे के लिए किसी और की मोहताज नहीं हैं। वे पैसे कमा सकती हैं, जैसा चाहे वैसा जीवन जी सकती हैं। वर्ना तो हमारी दादी-नानियों में बहुतों का कहना था कि उन्होंने कभी अपने हाथ में सौ रुपए भी नहीं देखे हैं। उस पीढ़ी की स्त्रियों का जीवन घर से घर तक खत्म हो जाता था। वे बाहर की दुनिया के बारे में जानती तक नहीं थीं। उन्होंने शायद ही कभी बाजार के दर्शन किए थे या अपने लिए कभी कुछ खरीदा था। वे खाना, कपड़े, इलाज सभी के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर थीं।

यातनाओं से घिरी स्त्रियों का वो दौर: एक जमाना था जब स्त्रियां तमाम तरह की मुसीबतें-यातनाएं सहती थीं। विधवा हो जाएं तो घर से निकाल दी जाती थीं। बच्चे न हों, तो बांझ कह कर दूसरा ब्याह पुरुष कर लेते थे। घरेलू हिंसा आम बात थी। दहेज के तो कहने ही क्या। स्त्री दहेज कम लाई इसके ताने उसे जीवन भर सुनने पड़ते थे। स्टोव अकसर उसके ऊपर ही फटते थे। लड़की के मायके वालों की हैसियत हो, न हो, बच्चे के जन्म से लेकर हर त्योहार, उसके परिवार वालों से तरह-तरह के सामान की मांग की जाती थी। वह एक ऐसी सेविका होती थी, जो मुंह सिलकर बस सेवा करने के लिए बनी थी। मुंह से उफ निकली नहीं कि तरह-तरह की हिंसा की शिकार हुई नहीं। स्त्री की मृत्यु का कोई मतलब नहीं था। पुरुष विधुर होते ही दूसरी शादी कर लेता था, लेकिन स्त्री को विधवा होने का अभिशाप झेलना पड़ता था। हमारी आजादी के नायकों और पुनर्जागरण के नायकों ने इस बात को समझा था, इसीलिए विधवा विवाह का आंदोलन देश भर में चलाया गया था। बेमेल विवाह और बाल विवाह के विरोध में भी आंदोलन चले थे। हम वह समय भी याद करें, जब शादी को स्त्री का सबसे बड़ा धर्म माना जाता था। बचपन से ही उसके सामने कहा जाता था लड़कियां तो पराए घर की होती हैं। अपने माता-पिता का घर तो जैसे उसका अपना होता नहीं था और जिस घर में जाती थीं, वहां उन्हें हमेशा अहसास कराया जाता कि वह बाहर से आई हैं। यानी कि वह इस धरती पर बोझ की तरह थीं। इसका बड़ा कारण यह था कि उनके परिश्रम की अनदेखी की जाती थी। घर में रह कर चाहे चौबीस घंटे काम करें, लेकिन उससे कोई पैसा तो कमाती नहीं थीं, इसीलिए इस श्रम का कोई मूल्य भी नहीं था। उन्हें हर एक के अहसान के तले जिंदा रहना पड़ता था।

आजादी के बाद महिलाओं को मिले अधिकार: हमारे लोकतंत्र, आजादी की लड़ाई ने ही स्त्रियों की भूमिका को रेखांकित किया था। वोट के लिए उन्हें कोई संघर्ष भी नहीं करना पड़ा, जबकि अमेरिका जैसे देश में वोट का अधिकार पाने के लिए औरतों को सत्तर साल तक लड़ाई लड़नी पड़ी थी। इसके अलावा मीडिया की आलोचना भी खूब सहनी पड़ी थी, जबकि भारत में आमतौर पर मीडिया का साथ महिलाओं को मिला। उनकी समस्याओं को खूब उठाया गया। आज तक उठाया जाता है। महिलाओं के पक्ष में बहुत से कानून बने। यदा-कदा उनका दुरुपयोग भी होता है, लेकिन कुल मिलाकर ये कानून स्त्रियों को उनकी आफतों से मुक्ति दिलाने के लिए ही बनाए गए थे। घरेलू हिंसा, दहेज विरोधी अधिनियम, दुष्कर्म के खिलाफ कानून, स्त्रियों को संपत्ति में अधिकार, लिंग परीक्षण के खिलाफ ऐसे ही कानून हैं, जिनकी मूल प्रतिज्ञा स्त्रियों की रक्षा करना ही है।

आज की स्त्रियां: आज इक्कीसवीं सदी अपने पचीसवें वर्ष में जब प्रवेश कर चुकी है, तो हम देखते हैं कि इस दौर में स्त्रियों की दुनिया बदल गई है। अब वे दबी-कुचली इमेज को स्वीकार नहीं कर सकतीं। वे दबी-कुचली हैं भी नहीं। जिस तरफ देखें, सफलता के परचम लहराती नजर आती हैं। कहा जाता था कि राजनीति में स्त्रियों की कोई जगह नहीं है, लेकिन आजकल वे अपनी वोट और शिक्षा की ताकत से सरकारें बना रही हैं। पुरुषों से अधिक संख्या में वोट दे रही हैं। यही नहीं वे किसे वोट देंगी, इसका चुनाव खुद कर रही हैं न कि अपने घर के पुरुषों की इच्छानुकूल व्यक्ति को वोट दे रही हैं।

आजादी से रहना चाहती हैं लड़कियां: बदले हुए दौर में अब लड़कियों के लिए शादी उनकी प्राथमिकता नहीं रही। अपने देश में तो लड़की अठारह साल की हुई नहीं कि उसे ब्याहने का रिवाज था। लेकिन इन दिनों पढ़ी-लिखी लड़कियां या तो शादी ही नहीं करना चाहतीं या कहती हैं कि जब उन्हें लगेगा तब शादी करेंगी। अथवा जब कोई पसंद आएगा तब सोचेंगी। आजकल लड़कियां बड़ी संख्या में देश-विदेश घूम रही हैं। अपनी नजरों से दुनिया देख रही हैं। आनंद उठा रही हैं।

मिली है स्वायत्तता-स्वतंत्रता: आज की स्त्री इतिहास के एक ऐसे मोड़ पर है, जहां वह अपनी स्वायत्तता और स्वतंत्रता को प्राप्त कर रही है। पहले आजाद ख्याल स्त्री को बिगड़ैल कहा जाता था, लेकिन अब स्त्रियां अपनी आजादी को सबसे महत्वपूर्ण मानती हैं। वे हर क्षेत्र में दिखाई दे रही हैं। राजनीति और मीडिया में छाई हुई हैं। वे उन क्षेत्रों में कदम-ताल कर रही हैं, जहां पहले कभी नहीं देखी गईं। सरकारें उनकी ताकत को पहचान रही हैं। हर दल के मेनिफेस्टो में उन्हें जगह मिल रही है। अब सरकार भी घरों की रजिस्ट्री स्त्रियों के नाम कर रही है, जिससे कि कभी उन्हें घर से न निकाला जा सके। सचमुच यह एक नई स्त्री है। इसे पुराने विचार और चश्मे से नहीं देखा जा सकता। ❀

बदल गया परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला वर्ष मनाए जाने की घोषणा के बाद अपने देश में भी परिदृश्य बदलने लगा। बहुत से महिला संगठन बने। हर साल इस दिवस पर बड़े-बड़े जुलूस निकाले जाते। स्त्रियों के प्रति जो भी अन्याय या अत्याचार हो रहा है, उनकी परेशानियां क्या हैं? इस पर बात होने लगी। लेख छपने लगे। सरकारी नीतियों में उन्हें प्राथमिकता मिलने लगी। वे अधिक से अधिक शिक्षित हों, आत्मनिर्भर हों इसकी योजनाएं बनने लगीं। क्रियान्वयन भी होने लगा। सरकारी जॉब्स हों या प्राइवेट, जहां एक्का-दुक्का महिलाएं नजर आती थीं, देखते-देखते महिलाओं की संख्या बढ़ती गई। कहने का यह मतलब है कि महिलाओं को पढ़ना-लिखना चाहिए, उन्हें आत्मनिर्भर बनना चाहिए, इसे जैसे हमारे समाज ने स्वीकार कर लिया था।

सशक्तिकरण के लिए चाहिए
पुरुषवादी सोच से मुक्ति

यह कतई जरूरी नहीं कि समाज में बराबरी का दर्जा पाने, सशक्त बनने के लिए महिलाएं, पुरुषों का हमेशा विरोध करें। वास्तव में सशक्तिकरण के लिए पुरुषवादी सोच से मुक्ति पाना जरूरी है। इसके लिए वे कैसे और किस स्तर पर प्रयास कर सकती हैं, यह सभी महिलाओं के लिए जानना जरूरी है।

बदलाव

चेतना झा

लगभग हर वर्ष 8 मार्च यानी महिला दिवस पर एक सवाल इसके औचित्य पर उठता है। साथ ही पूछा जाने लगता है कि महिलाएं मुक्ति आखिर किनसे चाहतीं हैं? अपने पिता, पति, भाई या बेटे से या दुनिया के तमाम पुरुषों से? इस मामले को गंभीरता से समझे जाने की जरूरत है। वास्तव में महिलाओं की लड़ाई पीढ़ी-दर-पीढ़ी स्थापित कर दी गई, उस पुरुषवादी मनोवृत्ति से है, जो महिलाओं को खुद से कमतर समझते हैं।

बच्चों का हित सबसे अहम: हम जानते हैं कि लाख विरोध, लाख संघर्ष के बावजूद स्त्री और पुरुष के बीच का मतभेद या संघर्ष दो देश, दो नस्ल, दो जाति, दो दल या दो वर्ग की लड़ाई नहीं है। स्त्री-पुरुष में जो भी हारता या पिछड़ता है, लेकिन इससे प्रभावित दोनों की जिंदगियां होती हैं। परिवार और बच्चे पर भी इसका असर पड़ता है। शायद यही कारण है कि तमाम कानून से वाकिफ रहने के बावजूद महिलाएं कई बार चुप्पी अपना लेती हैं। पर इस चुप्पी को सही नहीं ठहराया जा सकता है। आवाज उठानी ही चाहिए।

अन्याय का विरोध जरूरी: अगर आप, आपके परिवार, पड़ोस या गांव में कोई महिला पीड़ित है तो इसका मतलब है कि और भी कई महिलाएं इस दर्द से गुजर रही हैं। अकसर हम घर परिवार की इज्जत, समाज क्या कहेगा आदि के नाम पर उफ तक नहीं करते। महिला सशक्तिकरण के लिए काम कर रही महिलाओं ने इस सूत्र की पहचान कर अपने अनुभवों का निचोड़ देते हुए कहा है कि पर्सनल इज पॉलिटिकल। एक के प्रतिरोध में दूसरी कई महिलाओं की तकलीफों का इलाज छिपा है। इसलिए अन्याय किसी महिला के साथ हो, विरोध जरूरी है।

हम पुरुष नहीं बनना चाहते: महिला दिवस पर एक बार फिर हम महिलाएं कहना चाहती हैं कि हम महिला दिवस मनाते हैं, फेमिनिस्ट हैं, इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि हम पुरुष बनना चाहते हैं यानी उनकी सोच अपनाना चाहते हैं। सच यही है कि हमें अपनी प्राकृतिक संरचना पर गर्व है। जो हमारी शारीरिक-मानसिक संरचना है, हमें बेहद प्रिय है। हमें मातृत्व से मुक्ति नहीं चाहिए, मुक्ति चाहिए पुरुषों की उस सोच से, जो हमें जन्म देने वाली मशीन समझता है। मुक्ति चाहिए उस अमानवीय सोच से, जो स्त्रियों के शरीर को बस भोग्य समझता है।

मुक्ति पूर्वाग्रह से: 'त्रिया चरित्रं .. देवो न जानाति' ऐसे जाने कितने पूर्वाग्रह पुरुषों ने पीढ़ियों से अपने मन में बसा रखे हैं। हमें उनके ऐसे पूर्वाग्रहों से मुक्ति चाहिए। जी हां, हम जानते हैं कि दोषी पुरुष नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था है, जो जन्म से मृत्यु तक पुरुषों को एक ही पाठ पढ़ाती है कि महिलाएं उनसे कमतर हैं। उनके भोग के लिए हैं। घर संभालना और बच्चे जन्म देना ही उनका काम है। नन्हा-सा बच्चा रोने लगता है तो पुरुष सदस्य झट से कहते हैं, ये क्या लड़कियों की तरह रोने लगे? दरअसल, दोषी वही बातें हैं, जो जाने-अनजाने बच्चों के मन में यह बात पैठ करा देती हैं कि लड़कियां कमतर हैं।

संकीर्ण सोच से मुक्ति: आज जरूरत इस बात की है कि हम काम या प्रवृति को औरताना और मर्दाना खाने में बांटना बंद कर दें। हम महिलाएं शर्माती हैं, अधिक महत्वाकांक्षा नहीं पालतीं, चूहों-कॉक्रोच से डरती हैं, तो ऐसे में दरकार हमारे खुद के इन गुणों, संकीर्ण सोच से मुक्ति की है। साथ ही जरूरत अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने की भी है कि वे उसे ही हीन न समझने लगें, जो कोख में रख कर उन्हें जीवन देती है। ❀

सशक्तिकरण की ओर स्वयं बढ़ाएं कदम

आत्मप्रेरणा

सरस्वती रमेश

महिला दिवस के आस-पास महिला सशक्तिकरण की चर्चा हर तरफ से सुनाई देने लगती है। हालांकि सरकार से लेकर अनेक गैर सरकारी संस्थाएं और संगठन, महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य भी कर रही हैं। लेकिन हमें ध्यान रखना चाहिए कि कोई भी सामाजिक परिवर्तन केवल संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए जमीनी स्तर पर कार्य होना आवश्यक है। कहने का तात्पर्य यह है कि अगर हर महिला को सशक्त बनाना है तो सभी महिलाओं को इसके लिए जागरूक करना पड़ेगा, ताकि महिलाएं स्वयं सशक्त बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

अर्जित करें शिक्षा: शिक्षा को सशक्तिकरण की चाबी कहा जाए तो गलत नहीं होगा। महिलाओं के लिए यह बात बहुत ज्यादा मायने रखती है। अगर बेटियों की पढ़ाई-लिखाई ठीक से कराई जाए तो वे न सिर्फ समझदार और जागरूक बनती हैं बल्कि अपने पैरों पर खड़ी होकर आर्थिक स्वावलंबन भी अर्जित करती हैं। शिक्षित महिलाएं समाज की रूढ़ियों को तोड़ अपने लिए नया रास्ता बनाती हैं। आने वाली पीढ़ियों को राह दिखाती हैं और खुद सशक्त होकर समाज, परिवार और देश को भी मजबूत बनाती हैं।

घर के फैसलों में भागीदारी: अकसर यह देखा जाता है कि घर के सारे अहम फैसले पुरुष सदस्य ही लेते हैं। फिर चाहे वह प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला हो या बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, शादी-ब्याह आदि से जुड़ा मुद्दा। कई बार महिलाओं से उनकी राय भी नहीं पूछी जाती है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं इसे जरूरी भी नहीं मानती हैं, उन्हें लगता है कि इन मामलों में वे सही निर्णय नहीं ले पाएंगी। ऐसी सोच से उनमें आत्मविश्वास घटता है और निर्णय लेने की क्षमता भी उनमें कमजोर होने लगती है। घर-परिवार से जुड़े हर छोटे-बड़े मामले में महिलाओं को आगे बढ़कर अपनी राय देनी चाहिए और जरूरत के अनुसार फैसले भी लेने चाहिए।

अपने अधिकार जानें: छोटे शहरों और गांवों में रहने वाली अधिकांश महिलाओं के अशक्त होने की एक बड़ी वजह है कि उन्हें अपने अधिकारों और अपने पक्ष में बने कानूनों की जानकारी ही नहीं है। पढ़ी-लिखी महिलाओं को न केवल अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए, अपने आस-पड़ोस अशिक्षित महिलाओं को भी उनके अधिकारों की जानकारी देनी चाहिए।

भेदभाव के खिलाफ आवाज उठाएं: घर हो या दफ्तर, सार्वजनिक स्थानों पर भी महिलाओं के साथ भेदभाव होना आम बात है। इसलिए यह जरूरी है कि महिलाओं के साथ हो रहे हर तरह के भेदभाव के विरोध में अपनी आवाज उठाई जाए। महिला-पुरुष में कोई भी भेदभाव हो, तो उसका पुरजोर विरोध करें। ❀

एक समय तक वूमेन एंपॉवरमेंट के लिए शिक्षा को सबसे जरूरी माना जाता था। लेकिन आज के दौर में डिजिटली स्किल्ड और इंटरनेट यूज करने में एक्सपर्ट होना जरूरी हो गया है। इससे खुद को कैसे एंपॉवर कर सकती हैं, जानिए।

एंपॉवरमेंट के लिए जरूरी
बनें डिजिटल एक्सपर्ट

सलाह

संध्या सिंह

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 2025 की थीम, 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए: अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। कुल मिलाकर यह थीम सभी को समान अधिकार, शक्ति और अवसरों को सुरक्षित करने की आवश्यकता पर जोर देती है। सवाल है, इसे हासिल कैसे किया जाए? आज के दौर में इन सभी चीजों को हासिल करने का एक ही तरीका है- डिजिटल तकनीकी में महारत यानी एक्सपर्टीज हासिल की जाए।

डिजिटल स्किल्ड का अर्थ: आज शिक्षा की बड़ी-बड़ी डिग्रियों से सशक्तिकरण की उतनी गारंटी नहीं है, जैसी गारंटी आधुनिक डिजिटल तकनीक में महारत हासिल करने में है। लेकिन डिजिटल कुशलता का मतलब सिर्फ कंप्यूटर या स्मार्टफोन चला लेने में दक्षता भर नहीं है बल्कि काम की सूचनाओं तक त्वरित ढंग से पहुंच, डिजिटल उपकरणों का प्रभावी उपयोग कर सकना, ऑनलाइन अवसरों का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाना और साइबर सुरक्षा की भरपूर समझ होना है। वास्तव में आज सशक्तिकरण का बुनियादी आधार यही है, चाहे आप लड़की हों या लड़का। महिलाओं के लिए यह ज्यादा जरूरी है, क्योंकि वे अभी भी समाज में पुरुषों के मुकाबले पिछड़ी हुई हैं। इसलिए इस महिला दिवस पर क्यों न आप डिजिटल तकनीकी में कुशलता हासिल करने का संकल्प लें।

इकोनॉमिक एंपॉवरमेंट: आज की तारीख में डिजिटल तकनीक में कुशल होने पर ही रोजगार के नए से नए अवसर उपलब्ध होते हैं। सिर्फ नौकरी ही नहीं, आज की तारीख में डिजिटल कुशलता के बिना फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन बिजनेस, डिजिटल मार्केटिंग, कंटेंट राइटिंग, ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे किसी भी क्षेत्र में काम पाने की उम्मीद नहीं की जा सकती। आजकल डायरेक्ट एंप्लॉयमेंट से ज्यादा महिलाओं के लिए फ्रीलांसिंग की सुविधा मौजूद है, जो बहुत आराम से घर बैठे की जा सकती है। लेकिन यह संभव तभी होगी, जब आपके पास खुद का डेस्कटॉप कंप्यूटर या लैपटॉप हो और डिजिटल तकनीक में आप पूरी तरह पारंगत हों। अगर ऐसा है तो आप कभी भी आर्थिक रूप से परेशान नहीं रहेंगी क्योंकि बाजार में बहुत बड़े पैमाने पर ऑनलाइन डिजिटल रोजगार उपलब्ध है।

स्टार्टअप-एंटरप्रेन्योरशिप: महिलाएं सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन ब्रांडिंग का उपयोग करके घर बैठे अपना व्यवसाय शुरू कर सकती हैं। आज देश में सैकड़ों या हजारों नहीं बल्कि लाखों महिलाएं हैं, जो घर बैठे अपना बिजनेस कर रही हैं। लेकिन यह तभी संभव है, जब आप डिजिटल तकनीक के बरतने में माहिर हों। वर्क फ्रॉम होम के मौके भी ऐसी ही महिलाओं के लिए उपलब्ध होते हैं, जो डिजिटल तकनीक में कुशल हैं।

शिक्षा और ज्ञान का विस्तार: अगर आज आप डिजिटल टेक्नोलॉजी में माहिर हैं, अपने सशक्तिकरण के लिए उसका बेहतर इस्तेमाल करना जानती हैं तो आज ऐसे दर्जनों प्लेटफॉर्म हैं, जहां से घर बैठे विभिन्न क्षेत्रों की उच्च शिक्षा हासिल कर सकते हैं या अपने कौशल को बढ़ा सकती हैं। यही नहीं अगर डिजिटल तकनीक में पारंगत हैं तो तमाम तरह की स्वास्थ्य और कानूनी जानकारियां हासिल करके महिला अधिकारों, सरकारी योजनाओं, मातृत्व लाभ और स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारियां आसानी से पा सकती हैं और इनके जरिए अपना आर्थिक ही नहीं बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण भी आसानी से कर सकती हैं।

कह सकते हैं कि आज की तारीख में आर्थिक, सामाजिक और वैयक्तिक सशक्तिकरण के लिए सबसे ज्यादा जरूरी डिजिटली एक्सपर्ट होना है। ❀

स्त्री सशक्तिकरण की राह में सबसे बड़ी बाधा है लिंग भेद। यह भेद जब घर में ही हो, अपनों के बीच हो तो बहुत पीड़ादायक स्थिति हो जाती है। इसे देखते हुए उन्हें वो आजादी, प्रेम, मान-सम्मान परिवार की तरफ से स्वत: मिलना चाहिए, जो उनकी अस्मिता के लिए, उनके सम्मान के लिए जरूरी है।

समानता संग पोषित हो स्नेह-सम्मान

जरूरी समझ

डॉ. मोनिका शर्मा

स्त्रियां घर-परिवार को स्नेह से सींचती हैं। सुख-दुःख में साथ खड़ी होती हैं। खुशी हो या पीड़ा, बिन कहे अपनों का मन समझ लेती हैं। घरेलू उलझनों को सहजता से सुलझाती हैं। सामाजिक सरोकारों से गंभीरता से जुड़ती हैं। बच्चों का भविष्य हो या बड़ों की देखभाल, उनके ही हिस्से होती हैं। अपनी उलझनों को भूलकर पर्व-त्योहारों को जीवंत उल्लास से भर देती हैं स्त्रियां। अनगिनत फ्रंट्स पर जूझने के बावजूद भेदभाव का दर्द आज भी महिलाओं के हिस्से है। यही कारण है, स्त्रियों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए जेंडर इक्वेलिटी सबसे जरूरी है। दुनिया के हर कोने में समानता का भाव ही सशक्तिकरण की बुनियाद है।

कोशिशें हों कारगर: इस साल इंटरनेशनल वूमेंस-डे की थीम 'सभी महिलाओं और लड़कियों के लिए अधिकार, समानता और सशक्तिकरण' है। वर्ष 1975 से यूनाइटेड नेशंस हर साल एक खास थीम के साथ महिला दिवस मनाता है। ऐसा विषय, जो हर उम्र की महिलाओं की बेहतरी से जुड़ा हो। बेटियों और महिलाओं की इक्वेलिटी और एंपॉवरमेंट को संबोधित करता हो। वूमेंस-डे 2025 का विषय असल में हर तरह के पॉजिटिव बदलाव और प्रोग्रेस की बुनियाद है। बराबरी का हक मिले बिना महिलाएं सशक्त नहीं बन सकतीं। यही वजह है कि इस वर्ष की थीम समान अधिकार, एंपॉवरमेंट और आगे बढ़ने के लिए समान अवसर मिलने की वकालत करती है। यह विषय दुनिया की हर स्त्री को सुरक्षित भविष्य देने के त्वरित एक्शन का भी आह्वान करता है। असल में इक्वेलिटी और वूमेन एंपॉवरमेंट को लेकर लंबे समय से प्रयास किए जा रहे हैं। बहुत से सकारात्मक परिवर्तन हुए भी हैं। अब ग्लोबल लेवल पर बेहतरी की इन कोशिशों को और गति देने की दरकार है। इसी के चलते इस वर्ष 'कार्रवाई में तेजी लाना' के विचार पर भी बल दिया जा रहा है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मुताबिक प्रोग्रेस की मौजूदा दर पर पूरी तरह से जेंडर इक्वेलिटी पाने में 2158 तक का समय लगेगा। महिला अधिकारों से जुड़ा यह इंटरनेशनल मूवमेंट समझाता है कि इस रफ्तार से लैंगिक समानता तक पहुंचने में 134 साल लगेंगे। इसमें तेजी न लाई गई तो कई जेनरेशन खप जाएंगी। ऐसे में स्त्री सशक्तिकरण की कोशिशों का सफल होना ही नहीं, उनका गति पकड़ना भी जरूरी है।

उपलब्धियों का आधार: दुनिया के हर हिस्से में महिलाओं ने विपरीत हालातों से जूझकर भी कुछ कर दिखाने का जज्बा दिखाया है। इस हौसले की बुनियाद पर ही स्त्रियां भविष्य में भी बेहतरी की ओर बढ़ने का माद्दा जुटा रही हैं। यह बात कर्मठता सेलिब्रेट करने योग्य है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के संघर्ष और सफलताओं को उत्सव की तरह मनाने का दिन है। इसीलिए भविष्य संवारने के प्रयासों को अपनी उपलब्धियों का आधार दे रही स्त्रियों के लिए यह दिन बेहद खास होता है। ❀

एंपॉवरमेंट के रंग

महिलाओं का जीवन रंगों से गहराई से जुड़ा होता है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर अवेयरनेस लाने के लिए रंगों को भी एंपॉवरमेंट से जोड़ा जाता है। महिला दिवस से बैंगनी, हरे और सफेद रंग जुड़े हैं। ये तीनों रंग कुछ खास भावों और विचारों के प्रतीक हैं। बैंगनी रंग न्याय, सम्मान और महिलाओं की बेहतरी से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की प्रतिबद्धता से जुड़ा है। वहीं हरा रंग आशाओं से, सफेद रंग पवित्रता से जुड़ा है। साझे रूप से ये रंग बायस्ड और नेगेटिव सोच से दूर महिलाओं के लिए सम्मानजनक माहौल बनाने का संदेश देते हैं।

सूचना के बाद भी बैठक में नहीं पहुंचे पार्षद, कोरम पूरा

खास बातें
- आज होगी दोबारा से बैठक वर्षभर की आय-व्यय ब्योरा होगा पेश
- 48 घंटे पहले सभी पार्षदों से फोन के माध्यम से भेजी गई बैठक की सूचना, बैठक में केवल पहुंचे चार पार्षद
- आगामी वर्ष में नगर पालिका में शहर की सफाई व्यवस्था पर रह सकता है विशेष फोकस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नगर पालिका कार्यालय में पार्षदों का इंतजार करते अध्यक्ष रमेश सैनी व सचिव प्रशांत पराशर। फोटो: हरिभूमि

नगर पालिका की बजट बैठक कोरम पूरा नहीं होने के चलते स्थागित कर दी गई है। मंगलवार को दोबारा से नगर पालिका कार्यालय में बजट बैठक का आयोजन किया जाएगा। बजट बैठक में नगर पालिका का शहर की सफाई व्यवस्था पर विशेष फोकस रह सकता है।

बता दें कि दो दिन पहले नगर पालिका की ओर से सोमवार को दोपहर दो बजे बजट बैठक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसकी सूचना भी फोन के माध्यम से सभी पार्षदों को भेजी गई थी। निर्धारित समय पर नगर पालिका के सभी अधिकारी कार्यालय में पहुंच गए थे, लेकिन बैठक में चार पार्षद व नगर पालिका के अध्यक्ष रमेश सैनी ही बैठक में पहुंचे, जिसमें पार्षद विष्णु वाल्मिकी, सुरेंद्र फौजी, सरिता राठी व अशोक सैनी शामिल थे।

करीब आधे घंटे तक पार्षदों को इंतजार करने के बाद बैठक का कोरम पूरा नहीं होने के चलते बैठक को स्थागित कर दिया गया। मंगलवार दोबारा से बजट बैठक आयोजित की जाएंगी।

इसको लेकर सभी पार्षदों को सूचना भेज दी गई है। बैठक में बीते वर्ष की नगर पालिका की आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया जाएगा। वहीं आगामी वर्ष में होने वाले नगर पालिका के खर्च का आमदनी की अनुमानित रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

आज दोबारा से होगी बैठक

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी का कहना है कि बैठक की सूचना सभी पार्षदों को भेजी गई थी, लेकिन बैठक में केवल चार पार्षद भी पहुंच पाए। कोरम पूरा नहीं होने के चलते बैठक को स्थागित कर दिया गया है। मंगलवार को दोबारा से बैठक आयोजित की जाएंगी। इसके लेकर सभी पार्षदों को सूचना भेजी जाएंगी तथा व्यक्तिगत रूप से पार्षद से मुलाकात की जाएंगी। उम्मीद है कि शहर के विकास को ध्यान देखते हुए सभी पार्षद बैठक में हिस्सा लेंगे।

विजय इंटरनेशनल में हवन यज्ञ के साथ नए सत्र का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नए सत्र पर हवन करते हुए। फोटो: हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना में नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 के उपलक्ष्य में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ आचार्य ने यज्ञ संपन्न करवाया।

हवन यज्ञ के माध्यम से विद्यालय ने सुख-समृद्धि, उत्तम शिक्षा एवं विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में यजमान संस्था चेयरमैन विजय यादव टूमना, उनकी धर्मपत्नी नीतू यादव, पिता महेंद्र सिंह एवं माता रामकला देवी रही। आचार्य द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ अग्नि में आहुति अर्पित कर विद्यालय के नए सत्र का शुभारंभ किया गया।

प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने बताया कि भारतीय संस्कृति में किसी भी कार्य का शुभारंभ हवन यज्ञ के माध्यम से किया जाता है। इससे वातावरण शुद्ध होने के साथ-साथ मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने कहा कि हवन यज्ञ भारतीय संस्कृति की आध्यात्मिक परंपरा का प्रतीक है, जो न केवल धार्मिक दृष्टि से बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी अत्यंत लाभकारी है।

यूनिवर्सिटी की टॉप-10 सूची में यदुवंशी कॉलेज के नौ विद्यार्थियों का कब्जा

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर रेवाड़ी द्वारा बीपीएड के तीसरे सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें यदुवंशी कॉलेज के बीपीएड विभाग से नौ विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय की टॉप-10 सूची में स्थान हासिल किया। बीपीएड तृतीय सेमेस्टर की छात्रा सरिता पुत्री सत्यवीर ने 92.60 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम, लोकेश यादव पुत्र ललन यादव ने 91.30 प्रतिशत अंक लेकर दूसरा, रेखा पुत्री सतीश ने 89.50 प्रतिशत अंक लेकर चौथा, बेबी पुत्री बीज मोहन ने 89.10 प्रतिशत लेकर पांचवा, ऊषा पुत्री सुरेंद्र ने 89.10 प्रतिशत लेकर छठा, सरिता पुत्री जय भगवान ने 89 प्रतिशत लेकर सातवां, सुषमा पुत्री पिंकी यादव ने 89 प्रतिशत अंक लेकर आठवां, राजेश पुत्र उमेश सिंह ने 88.80 प्रतिशत अंक लेकर नौंवा व अंकित पुत्री संत कुमार ने 88.7 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में 10वां स्थान हासिल किया। इन विद्यार्थियों ने यह उपलब्धि हासिल करके न केवल अपना बल्कि अपने माता-पिता के साथ-साथ यदुवंशी कॉलेज का नाम भी रोशन किया। संस्था अध्यक्ष व पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि यदुवंशी कॉलेज ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी एक अलग ही पहचान बनाई हैं। ग्रुप डायरेक्टर विजय सिंह यादव ने कहा कि यह कॉलेज के उच्च शैक्षिक मानको का परिणाम है। इस सफलता से कॉलेज की प्रतिष्ठा और भी मजबूत हुई है तथा क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। वाइस चेयरमैन करण सिंह यादव, चेयरपर्सन संगीता यादव, फाउंडर डायरेक्टर राजेंद्र यादव, डॉ. प्रदीप यादव, कॉलेज प्राचार्य बबरूभान ने सभी विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राव सुल्तान स्कूल में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

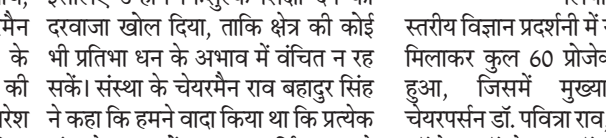

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

राव सुल्तान सिंह सीनियर सेकेंडरी स्कूल निम्बहेड़ा में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के आयोजक मोनिका शर्मा ने बताया कि इसमें चार टीम में बनाई गई, जिसमें प्रत्येक टीम में आठ बच्चे रखे गए। कार्यक्रम की शुरूआत संस्थान निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव ने की। उन्होंने एक पर्ची के माध्यम से प्रश्न पूछकर प्रतियोगिता का आरंभ किया। किसी भी बच्चे का सामाजिक ज्ञान अच्छा है तो वह कहीं भी किसी भी परीक्षा में मात नहीं खा सकता, क्योंकि चाहे छोटे से छोटी या बड़े से बड़ी परीक्षा हो, उसमें सभी में सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछे जाते हैं और हमने देखा है कि बच्चे पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरे। अंदाजा लगाया जा रहा है कि सवाल से पहले उत्तर दिया जा रहा है। यह तभी संभव होता जब हम इसकी प्रत्येक दिन तैयारी समयबद्ध होकर करें। इसका सफल आयोजन करवाने के लिए सभी अध्यापक, बच्चों को बधाई देता हैं। रॉकस्टार टीम, शाइन स्टार टीम प्रथम व ब्राइट स्टार टीम दूसरे स्थान पर रही।

कनीना से होकर गुजरते हैं विभिन्न जिलों के श्रद्धालु

खाटू श्याम जाने वाले यात्रियों के लिए सेवा शिविर शुरू

कनीना के श्रीश्याम मंदिर सहित दर्जनभर स्थानों पर की गई शिविरों की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कनीना

कनीना। निशान के साथ पद यात्रा करते हुए कनीना में प्रवेश करते झज्जर जिले से आए श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

कनीना। श्याम शिविर में भाग लेते श्याम पदयात्री। फोटो: हरिभूमि

राजसथान के सीकर जिले की खाटू नगरी में आयोजित होने वाले लख्खी मेले को लेकर कनीना व आसपास के गांवों में शिविर लग गए हैं। सत्यनारायण यादव, एडवोकेट योगेश गुप्ता, राजेश खंडेलवाल ने बताया कि इन शिवरों में निशान यात्रा करने वाले पदयात्रियों के लिए भोजन, नाश्ता, स्नान करने, रात्रि विश्राम व चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

कनीना में श्रीश्याम मंदिर, अटेली रोड रेलवे फाटक, नहर के समीप, मोहनपुर, नांगल, कोका, सुंदरह, बेवल, मुंडियाखेड़ा, झिगावन, दौंगड़ा अहीर, अटाली, सिहमा, खासपुर, खामपुर सहित विभिन्न गांवों में सेवा शिविरों का आयोजन होता है। श्याम मंदिर कमेटी के प्रधान पृथ्वीसिंह चैहान ने बताया कि श्रीश्याम जी का लक्खी फाल्गुन मेला 28 फरवरी से शुरू हो चुका है, जो 11 मार्च तक चलेगा। उन्होंने बताया कि 12 दिवसीय इस मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। मंदिर की भव्यता व सुरक्षा के लिए नियोजित रूप से कार्य किया जा रहा है।

10 हजार सुरक्षाकर्मी डिप्लॉयड

मेले में 400 से अधिक सीसीटीवी कैमरे के अलावा 22 पुलिस सेक्टर व नौ प्रशासनिक सेक्टर बनाए गए हैं। इसके अलावा 20 पुलिस सहयता केंद्र बनाए गए हैं। मेले में 10 हजार सुरक्षाकर्मी डिप्लॉयड किए गए हैं। रींगस से खाटू तक वाहनों के लिए मार्ग को बंद कर दिया गया है। जयपुर सीकर हाईवे की ओर से आने वाले वाहनों के लिए मण्डा होते हुए बड़ी पार्किंग बनाई गई है तथा शाहपुरा कट से निकास किया गया है। वहीं 300 स्थाई तथा 382 अस्थाई टॉयलेट स्थापित किए गए हैं।

बिजली की व्यवस्था के लिए 30 साउंड प्रूफ जनरेटर लगाए हैं। वहीं पेयजल के लिए एक करोड़ पानी के पाउच, 20 कैंटर व 25 टंकिया रखी गई हैं। बता दें कि इस मले में हरियाणा के महेंद्रगढ, भिवानी, रोहतक, सिरसा, हिसार, चरखी दादरी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, झज्जर के अलावा दूरदराज से श्रद्धालु रेल, बस सहित अपने वाहन एवं ध्वज लेकर पद यात्रा करते हैं। करीब पखवाड़ेभर तक विभिन्न मार्ग श्याम के रंग में रंगे हुए दिखाई देते हैं। महिला, पुरुषों सहित युवा भी पद यात्रा कर मेले में पहुंचते हैं। मंदिर के प्रति नागरिकों की अपार आस्था है।

खाटू नरेश के जयकारों से वातावरण होने लगा गुंजायमान

मंडी अटेली। फाल्गुन माह की एकादशी को खाटू में 10 मार्च को लगने वाले श्याम बाबा के मेले में जाने वाले पैदल यात्रियों से क्षेत्र श्याममय बना हुआ है। नारनौल-फुलेरा रेलमार्ग के साथ श्याम बाबा की जय, खाटू वाले की जय के उद्घोष के बीच ध्वजा के साथ श्याम भक्तों की कतारें लगी हुई है। यात्रा में युवाओं के साथ, महिलाओं के अलावा बच्चे भी श्याम की ध्वजा ले कर बाबा के स्थान के दरबार में सैकड़ों की संख्या में जा रहे है। श्याम भक्तों को बाबा के दरबार में हाजरी लगाने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए जगह श्याम शिविर लगाए हुए है। अटेली कस्बे में श्री श्याम प्रचार मंडल अटेली की ओर से जांगिड़ धर्मशाला में एक मार्च श्याम पद यात्रियों के लिए शिविर का प्रारंभ हो गया है। मंच के अध्यक्ष विपिन दुर्गा व प्रचारक चमन गोयल ने बताया की शिविर में श्याम पद यात्रियों के ठहरने, विश्राम करने सहित मेडिकल की विशेष सुविधा की व्यवस्था की गई है। शिविर में श्याम बाबा का जागरण व भजन कीर्तन हो रहे है, शिविर 8 मार्च तक चलेगा। इसके अलावा श्याम सेवा मंडल की ओर से विश्वकर्मा धर्मशाला में भी शिविर चला हुआ है। मंडल के प्रधान कमलेश सैनी के नेतृत्व में श्याम भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की हुई है। शिविर में श्याम भक्तों के लिए बाबा का दरबार को आकर्षक रूप से सजाया हुआ है।

नारनौल। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

यदुवंशी में सम्मान समारोह आयोजित

नारनौल। यदुवंशी में खुले आसमान फ्री शिक्षा के तहत पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव राजरूप फुलिया, विशिष्ट अतिथि के तौर पर रेनबो हॉस्पिटल से बालरोग विशेषज्ञ डा. कुलदीप व कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के चेयरमैन पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्यातिथि, विशिष्ट अतिथि, संस्था के चेयरमैन, वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्णसिंह यादव, संस्था के निदेशक विजय सिंह, विद्यालय की निदेशिका सुरेश यादव व उपप्राचार्य नरेश यादव ने सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में खुले आसमान फ्री शिक्षा के तहत पढ़ने वाले विद्यार्थियों ने बम बम भोले, मेरा जूता है जापानी, डॉक्टर थीम, राजस्थानी माना घुमर, हरियाणवी डांस, फनी डांस, किसान आर्मी थीम व मदर थीम अनेक प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथिजनों व गणमान्य लोगों का मन मोह लिया। मुख्यातिथि ने ऐतिहासिक सम्मान समारोह में बताया कि राव बहादुर सिंह की एक अनूठी पहल है कि किसी आर्थिक रूप से कमजोर माता पिता के बच्चे अच्छी शिक्षा से वंचित न रहे। इसलिए उन्होंने निःशुल्क शिक्षा देने का दरवाजा खोल दिया, ताकि क्षेत्र की कोई भी प्रतिभा धन के अभाव में वंचित न रह सकें। संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि हमने वादा किया था कि प्रत्येक गांव से 100 घरों पर एक आर्थिक रूप से कमजोर बच्चे को निःशुल्क शिक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों के माता पिता को शॉल व लोई देकर सम्मानित किया।

मॉडल प्रदर्शनी से विज्ञान को समझने का सुगम साधन हैः डॉ. पवित्रा राव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

- आरपीएस कॉलेज बलाना में विज्ञान प्रोजक्ट व मॉडल प्रदर्शनी आयोजित

महेंद्रगढ़। प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना में रसायन विज्ञान विभाग व आईक्यूएसी सैल के तत्वावधान में छठे राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन संपन्न हुआ। इस विज्ञान प्रदर्शनी में हरियाणा प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालय से विद्यार्थियों ने विज्ञान प्रदर्शनी में हिस्सा लिया। इस राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में सभी कॉलेज से मिलाकर कुल 60 प्रोजेक्टों का प्रदर्शन हुआ, जिसमें मुख्यातिथि संस्था चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, विशेष अतिथि कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव, प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान रहे। कॉलेज डीन डॉ. हेमंत कुमार ने बताया कि विज्ञान विषय को सुगम व सरल बनाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान दिवस के उपलक्ष में छठे राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन रखा गया, जिसमें राज्य स्तर पर विभिन्न प्रसिद्ध शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए। रसायन विज्ञान, फिजिक्स, कंप्यूटर सांइस, इल्क्ट्रीकल व इल्कट्रोनिक्स और मकेनिकल इंजि., बायोलॉजी व ज्योग्राफी विषयों पर आधारित कुल 60 प्रोजेक्टों का प्रदर्शन हुआ, जिसमें विभिन्न बीमारियों का सहजता से इलाज, विकसित भारत-2047, ग्लोबल वार्मिंग अवेयरनस, ससेटेनेबल वेस्ट मेनेजमेंट, सोलर सेल, ग्रीम हाइड्रोजन, रिमोट सेंसिंग, नेचूरल फार्मिंग, ऐयर पॉलूशन, पर्यावरण सरक्षंण, खगोलिय शास्त्र की जानकारी, सौरमंडल की जानकारी, जल का महत्त्व, चंद्रयान-तीन, आदित्य एल-एक, प्लास्टिक वस्तुओं का दुरुपयोग के साथ विभिन्न विषयों पर प्रोजेक्ट व मॉडल पर प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम संयोजक विभागाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जिंदल ने बताया की इन मॉडल को देखने के लिए आसपास से विभिन्न स्कूलों व संस्थाओं के शिक्षाविद्व व विद्यार्थी पहुंचे। प्रदर्शनी में राजकीय महाविद्यालय सतनाली प्रथम, आरपीएस डिग्री कॉलेज द्वितीय, आरपीएस इंजि. कॉलेज तृतीय स्थान पर रही। प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान ने बताया कि आरपीएस कॉलेज की मॉडल प्रदर्शनी में व्यवस्था बड़ी सराहनीय है।

यदुवंशी की छात्रा अवी को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतनाली मंडी

सतनाली मंडी। छात्रा अवी को सम्मानित करते हुए।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन की छात्रा अवी को केआईआईटी विद्यालय गुरुग्राम में आयोजित सम्मान समारोह में इंटरनेशनल गांधियन सोसाइटी स्पीच प्रतियोगिता में 15वां स्थान प्राप्त करने पर 1, हजार रुपये की इनाम राशि व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने छात्रा अवी व उसके परिजनों को इस उपलब्धि की बधाई दी। यदुवंशी ग्रुप के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने कहा कि विद्यालय में कई तरह की राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं मे भाग लेने के अनेक अवसर दिए जाते हैं। जिसमें कोई भी विद्यार्थी अपना हुनर दुनिया को दिखा सकता है और अपने साथ साथ अपने परिजनों, विद्यालय व क्षेत्र का नाम विश्व में ऊंचा कर सकता है। विद्यालय के प्राचार्य जितेंद्र कुमार ने छात्रा अवी की इस उपलब्धि पर बताया कि इस प्रतियोगिता का आयोजन यूएसए में हाल ही में नवनिर्मित महात्मा गांधी के म्यूजियम के उपलक्ष्य में किया गया। इंटरनेशनल गांधियन सोसाइटी स्पीच प्रतियोगिता में विश्वभर के 4000 छात्रों व छात्राओं ने भाग लिया था। इस प्रतियोगीयता के परिणाम की अवॉर्ड सेरेमनी 24 फरवरी को केआईआईटी विद्यालय गुरुग्राम में की गई थी। जिसमें छात्रा अवी को केआईआईटी गुरुग्राम के चेयरमैन व प्रिंसिपल ने सम्मानित किया।

स्व. बेटी वान्या यादव के 5वें जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

आयोजक ने हेलमेट बांटकर दिया सुरक्षा कवच, बचेगी जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। रक्तदाताओं को हेलमेट देते मुख्य अतिथि अनित यादव। फोटो:हरिभूमि

हरियाणा रोडवेज संगठन सचिव विरेंद्र सिंह की बेटी स्व. वान्या यादव की याद उसके पांचवें जन्मदिन पर गांव नांगल सिरोही में रक्तदान शिविर लगाया गया। इसका शुभारंभ रोडवेज महाप्रबंधक अनित यादव ने किया। इस कैंप में रक्तदान करने करने 50 दानवीरों को सम्मान के रूप में हेलमेट दिया गया।

गांव के मेन बस स्टैंड धर्मशाला में आयोजित इस कैंप को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अनित यादव ने कहा कि रक्तदान एक ऐसी प्रथा है जिसमें लोग अपना रक्त लोगों को दान करते हैं ताकि यह उनकी स्वास्थ्य समस्याओं में उनकी मदद कर सके। रक्त हमारे शरीर के सबसे आवश्यक तरह पदार्थों में से एक है जो हमारे शरीर के सुचारू संचालन में मदद करता है। यदि शरीर अत्याधिक मात्रा में रक्त खो देता है तो लोगों को घातक बीमारियां हो सकती हैं और यहां तक की उसकी मृत्यु भी हो सकती है। इस प्रकार हम देखते हैं कि रक्तदान वास्तव में जीवन रक्षक है जो लोगों की मदद करता है। यह मानवता का भी प्रतीक है जो जाति, पंथ धर्म और बहुत कुछ के बावजूद लोगों को एकजुट करता है। दूसरे शब्दों में रक्तदान सिर्फ उस व्यक्ति की मदद ही नहीं करता बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मदारी भरा कमद भी उठाता है। इसके अलावा यह दानकर्ता के स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाता है। चूंकि कोशिकाओं की कमी में उत्पदान का रास्ता बनता है, न कि नई कोशिकाएं जो हमारे शरीर को प्रणाली को तरोताजा करती हैं। इसके अलावा यह हमारे शरीर को बेहतर स्वास्थ्य के लिए पुर्नजीवित भी करता है। एक बार रक्तदान करने से कम से कम तीन जरूरतमंद लोगों की मदद होती है। एक रक्तदान कितने लोगों के जीवन में बदलाव ला सकता है। लोगों की मदद के लिए अधिक से अधिक रक्तदान करना चाहिए।

नारनौल। संतोष मेमोरियल प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए।

संतोष मेमोरियल में मनाया विश्व श्रवण दिवस

नारनौल। हुड्डा सेक्टर-एक स्थित संतोष मेमोरियल पुनर्वास एवं अनुसंधान केंद्र में विश्व श्रवण दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्य डॉ. आरएन यादव ने कानों की देखभाल, तेज आवाज से बचाव और हेडफोन के सीमित उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि हाल ही में सोशल मीडिया लोकल सर्कल के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 62 प्रतिशत भारतीय परिवारों में किसी न किसी सदस्य को श्रवण समस्या हुई है। श्रवण हानि के कारणों में 56 प्रतिशत बुढ़ापा, 12 प्रतिशत आनुवंशिक कारक, 8 प्रतिशत कोविड-19, 4 प्रतिशत हेडफोन का अत्यधिक उपयोग और अन्य कारण शामिल हैं। कार्यक्रम में स्पेशल डिप्लोमा व बीएड के छात्रों ने श्रवण स्वास्थ्य, आधुनिक पुनर्वास तकनीकों और हियरिंग एड के उपयोग पर चर्चा की। उपस्थित शिक्षकों ने कानों की सुरक्षा और जागरूकता बढ़ाने की शपथ ली।

कमानिया में सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

नांगल चौधरी। रोहतक के सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कमानिया गांव में पूर्व डेलीगेट वेदप्रकाश शर्मा की पुत्री के शादी समारोह में शिरकत की। दुल्हन बेटियों को आशीर्वाद देने के बाद उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं भी सुनी तथा संसद में सरकार से समाधान करने की मांग की जाएगी।

सूचना

मैं, राजेन्द्र पुत्र श्री राम कुमार निवासी गांव/मो. कलवाड़ी तहसील कनीना जिला महेन्द्रगढ़ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र संजय मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। आज के बाद इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

भरपूर नींद ली, समर्थकों ने गुणा भाग लगाया, कुछ जीत पक्की मान रहे तो कुछ को संशय

नपा चुनाव के बाद

- संजय गोयल व भूपेश गुप्ता ने अटेली स्थित कैबिनेट मंत्री आरती राव के कार्यालय पर हाजिरी लगाकर अपनी–अपनी जीत का दावा किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। नगर पालिका चेयरमैन प्रत्याशी संजय गोयल सुबह अपने परिवार के साथ तथा चेयरमैन प्रत्याशी भूपेश गुप्ता कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव के कार्यालय पर जीत का गणित प्रस्तुत करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

मंडी अटेली। अटेली नगर पालिका चेयरमैन प्रत्याशी डा. विकास यादव मंत्री आरती सिंह राव के कार्यालय से गुजरते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

अटेली नगर पालिका के चुनाव दो मार्च को संपन्न हो गए। सोमवार तीन मार्च को नगरपालिका चेयरमैन प्रत्याशियों ने पिछले कई दिनों से चल रहे चुनाव प्रचार की थकान उतार कर भरपूर नींद लेने के साथ ही सुबह समर्थकों के साथ जोड़-गुना भाग लगाया। अटेली कस्बे में चुनाव में वोटों के लिए पैसे का खेल चलने पर खासी चर्चा रही। लोगों का कहना था कि अटेली कस्बे में चुनाव लड़ना काफी खर्चिला होता जा रहा है। हालांकि चुनाव आयोग की आचार संहिता के सख्त निर्देश होते हैं, लेकिन क्रियान्वित नहीं होने पर उन पर अंकुश नहीं लगती। जागरूक लोगों का कहना है कि यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खतरा है, कुछ लोग राजनीति को बिजनेस के रूप में इन्वेस्ट की तरह करते हैं। वहीं भूपेश गुप्ता, संजय गोयल ने स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के कार्यालय में उनके पीए विकास यादव के समक्ष अपनी-अपनी जीत के दावे प्रस्तुत किए। वहीं सतीश जांगिड़ ने कार्यालय में हाजिरी लगाई, वहीं विकास यादव अटेली कस्बे के पुराना अड्डे पर जूस पीकर आरती राव के कार्यालय से गुजर कर मुस्कराहट दिखाई दी। अटेली नगरपालिका के पांच प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न अलॉट हुए थे, लेकिन चार प्रत्याशियों ने ही वोट मांगे, लेकिन मुकाबला तीन बार के पार्षद संजय गोयल व पहली बार चुनाव लड़ने वाले भूपेश गुप्ता के बीच देखा गया। दोनों ही प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत के प्रति आश्वस्त दिखाई दिए। प्रत्याशी भूपेश गुप्ता ने कहा कि वह माता रानी का भक्त है, उसे माता रानी ने ही छह माह पहले स्वप्न में कहा था कि चेयरमैन बनेगा, उसी के आशीर्वाद व उसका भक्त होने पर उसने चुनाव लड़ा है। माता रानी की कृपा से मंडी माता ने चुनाव में अपार समर्थन मिला।

वहीं तीन बार के पार्षद संजय गोयल ने कहा कि अटेली कस्बे की 36 बिरादरी के सहयोग व भगवान की कृपा से उसकी जीत 100 प्रतिशत पक्की होगी। वहीं सतीश जांगिड़ ने कहा कि चुनाव में हार जीत कुछ भी हो, लेकिन कस्बे के लोगों ने उसका भरपूर सहयोग दिया है। वहीं डॉ. विकास यादव ने कहा कि चुनावों में अपना एजेंडा प्रस्तुत किया था, लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी होती है। अटेली क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कोई भी जीते, लेकिन अटेली का विकास होना चाहिए। कैबिनेट मंत्री के पीए विकास यादव ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव की तरफ से किसी भी प्रत्याशी को अपना समर्थन नहीं दिया। यही कारण रहा कि स्वास्थ्य मंत्री इस दौरान अटेली क्षेत्र से दूर रही, ताकि कोई प्रत्याशी उन पर समर्थन देने का दावा कर सके।

उन्होंने कह दिया था जो भी विजयी प्रत्याशी होगा उसके साथ मिलकर अटेली व कनीना का भरपूर विकास कर दोनों कस्बों को सुंदर बनाया जाएगा।

चुनाव के बाद प्रत्याशियों ने किए अपनी-अपनी जीत के दावे

कनीना। नगर पालिका प्रधान पद के उम्मीदवार अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। जिसमें सभी के अपने-अपने दावे किए हैं। प्रधान पद की प्रत्याशी सुमन चौधरी के पति दीपक चौधरी ने कहा कि नगर की जनता ने उन्हें भरपूर आशीर्वाद दिया है और शांतिपूर्वक चुनाव करवाकर भाईचारे का भी संदेश दिया है। वह अपनी जीत के लिए पूर्ण रूप से आश्वस्त हैं। उन्होंने कहा कि शहर के विकास कार्यों को पूर्ण रूप से अंजाम देंगे और जनता की भावनाओं पर खरा उतरेंगे। प्रधान पद की उम्मीदवार डा. रिंपी कुमारी के ससुर पूर्व नगर पालिका प्रधान राजेंद्र सिंह लोढ़ा ने कहा कि शहर में सभी 14 वार्डों में शांतिपूर्वक भाईचारे से चुनाव संपन्न हुआ। जिसकी वह पूर्ण रूप से आशा करते थे और लोगों से अपील करते थे कि भाईचारा बना रहना चाहिए, चुनाव आते जाते हैं। वह अपनी प्रत्याशी की जीत मान रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर की जनता ने आशीर्वाद दिया है, उस पर पूरा उतरेंगे। उन्होंने वार्डों में प्रत्याशी खड़े किए थे वह भी जीत रहे हैं। प्रधान पद के प्रत्याशी सविता देवी के पति नगर पालिका के पूर्व प्रधान अशोक ठेकेदार ने कहा कि जनता ने उन्हें भरपूर प्यार दिया है, उनके लिए वरदान है और वह अपनी जीत मान रहे हैं। सुमन रोहिल्ला के पति मनोज रोहिल्ला ने कहा कि शहर की 36 बिरादरी ने उन्हें आशीर्वाद दिया है। जिसके कारण आने वाली 12 मार्च को नगर प्रधान का नतीजा चौकाने वाला होगा।

28 फरवरी को नप कर्मचारियों पर किरण टैंट वालों ने कर दिया था हमला

पुलिस कार्यप्रणाली से गुस्साए नप कर्मियों ने गेट बंदकर दिया धरना

धरनारत कर्मचारियों ने डीआरडीए ऑफिस में एडीसी से मुलाकात कर अपना दर्द सांझा किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। नगर परिषद गेट पर धरना देते नगर परिषद कर्मचारी। *फोटो: हरिभूमि*

नारनौल। नगर परिषद गेट के बाहर खड़े आवश्यक कार्यों से कार्यालय आए **लोग।**

नगर परिषद कर्मचारियों ने प्रातःकाल को पुलिस कार्यप्रणाली से क्षुब्ध होकर मुख्य गेट को बंद कर दिया तथा गेट के अंदर दरी बिछा धरना देकर पुलिस के खिलाफ आक्रोश प्रकट किया। यह धरना प्रदर्शन दोपहर बाद करीब तीन बजे तक चला। बाद में एडीसी–कम–डीएमसी डा. आनंद शर्मा से धरनारत कर्मचारियों ने डीआरडीए ऑफिस जाकर मुलाकात की अपना दर्द उनसे सांझा किया। धरना दे रहे पीड़ित कर्मचारी योगेश शर्मा एवं अन्य ने बताया कि नसीबपुर जेल के सामने अतिक्रमण हटाते वक्त नगर परिषद कर्मचारियों ने नप कर्मचारियों पर लाठी–डंडों से हमला कर दिया था। इस हमले में उस पर बेरहमी से लाठी–डंडों से सड़क पर गिराकर हमला कर दिया था, जिस पर उसके शरीर खासकर पीठ में लील उभर आई थी। उन्होंने बताया कि जब वह नागरिक अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती थे, तब वहां जांच के लिए महावीर चौकी इंचार्ज रवि अस्पताल गए थे। कर्मचारी ने आरोप लगाया कि चौकी इंचार्ज ने हम नगर परिषद कर्मचारियों से पूछताछ में दुर्व्यवहार किया। उन्होंने बताया कि चौकी इंचार्ज को जब पीठ पर उभरे लाठी–डंडों के निशान दिखाए तो उनका कहना था कि जब सर्दी के कपड़े पहन रखे थे तो यह निशान कैसे उभरे। यह निशान कैसे बनाए हैं। तुमने खुद ही तो चोट नहीं मार ली है। उन्होंने उलटे–सीधे सवाल कर हमें ही दोषी ठहराने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि मारपीट होने उपरांत उन्होंने कर्मचारियों के प्रति कोई हमदर्दी या सहानुभूति नहीं दिखाई, बल्कि उल्टे–सीधे सवाल कर हमें ही हतोत्साहित करने का प्रयास किया। इसी के विरोध में आज यह धरना दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने अब तक सभी हमलावरों को गिरफ्तार नहीं किया है, जो गिरफ्तार किए थे, उनकी जमानत हो चुकी है। हमारी मांग है कि सभी हमलावरों को गिरफ्तार किया जाए तथा दोषी के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाए। प्रातः करीब साढ़े दस बजे जब यह धरना शुरू किया गया, तब नगर परिषद कार्यालय संबंधित कार्य करवाने के लिए शहर के अनेक नागरिक नप पहुंचे, लेकिन धरने के चलते बंद किए गए गेट से उनको वापस कर दिया गया। इस पर लोगों नप के दूसरे गेट से एंट्री ली। यह धरना दोपहर बाद करीब तीन बजे तक चला, जिसमें नगर परिषद के कर्मचारियों ने भाग लिया तथा इस हमले की निंदा की। उन्होंने नगर परिषद प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि वह भविष्य में तभी अतिक्रमण हटाओ अभियान में भाग लेंगे, जब उन्हें पर्याप्त पुलिस सुरक्षा मुहैया करवाई जाएगी। इस धरने की सूचना पाकर एडीसी–कम–डीएमसी डा. आनंद शर्मा ने आंदोलनरत कर्मचारियों को अपने डीआरडीए कार्यालय बुलाया तथा उनसे बात की।

दुर्व्यवहार की बातें गलत

दूसरी ओर महावीर चौकी इंचार्ज रवि ने बताया कि इस मामले में पीड़ितों के बयान पर एफआईआर पहले ही दर्ज है तथा आरोपितों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश भी किया जा चुका है। नियमानुसार उचित कार्रवाई की जा रही है। दुर्व्यवहार की बातें गलत है। कोई कुछ भी कह देगा।

यह है मामला

बता दें कि गत 28 फरवरी को प्रातः करीब 10 बजे नगर परिषद की एक टीम महेंद्रगढ़ रोड पर अतिक्रमण हटाने निकली थी। टीम में नप कर्मचारी योगेश शर्मा, सचिन एवं अनिल आदि शामिल थे। जब यह टीम जिला जेल नसीबपुर के सामने गणेश कॉलोनी में पहुंची, तब वहां डिवाइडर के बीच में किरण नामक टैंट हाउस का लोहे का बोर्ड लगा हुआ मिला। टीम ने इस लोहे के बोर्ड को हटाना शुरू किया तो किरण टैंट हाउस की दुकान पर बैठे लड़के मौके पर आ गए तथा बोर्ड हटाने का इन्होंने विरोध करना शुरू कर दिया। इस विरोध के दौरान तकरार इतनी बढ़ी की कि हाथापाई हो गई। टैंट वालों ने फोन करके नसीबपुर गांव से 8–10 लड़कों को बुला लिया। इन लड़कों के हाथों में लाठी–डंडे वगैरा थे, जो इन्होंने ताबड़तोड़ नप कर्मचारियों पर लठ बरसाने शुरू कर दिए। नप कर्मी योगेश शर्मा को सड़क पर गिराकर उसे लाठी–डंडों से बुरी तरह मारा पीटा था। मारपीट के बाद कर्मचारियों सीधे महावीर चौक पुलिस पहुंचे तथा आपबीती बताई। वहां से जिन कर्मचारियों के साथ मारपीट हुई, वह अस्पताल चले गए तथा उपचार के लिए भर्ती हो गए। दूसरी ओर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सोनू, अमन, उज्ज्वल एवं यश के अलावा 8–10 लड़कों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया। इन आरोपित लड़कों में से पुलिस सोनू, अमन व उज्ज्वल को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर चुकी हैं, जहां से इन तीनों को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

महेंद्रगढ़: दादा ने पोती का घोड़ी पर बैठाकर निकाला बनवारा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। मुस्कान का घोड़ी पर बनवारा निकालते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

सहकारिता विभाग से रिटायर सुपरीडेंट ने अपनी पोती की शादी पर उसको घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकाला। रिटायर सुपरीडेंट द्वारा किए गए इस कार्य की हर ओर सराहना हो रही है। वहीं लड़की की शादी भी एक रुपये व नारियल से होगी। शादी करने वाला लड़का मर्चेंट नेवी में लगा हुआ है। वहीं लड़की भी एमकॉम पास है।

शहर के खोजावाड़ा मौहल्ला निवासी दिनेश यादव की पुत्री मुस्कान की शादी होनी है। लड़की के पिता दिनेश यादव ने बताया कि उन्होंने लड़की को लड़के की तरह लाड प्यार से पाला है। लड़के वाले भी अच्छे पढ़े लिखे हैं। लड़का मर्चेंट नेवी में लगा हुआ है तथा उसका अच्छा सैलरी पैकेज है। इसलिए लड़के वालों ने शादी एक रुपया व नारियल में करने का फैसला लिया। लड़का महेश यादव गांव गागड़वास से महेंद्रगढ़ में बारात लेकर आएगा। मुस्कान की शादी से एक दिन पूर्व उसके दादा व सहकारिता विभाग से रिटायर हीरालाल यादव ने ने मुस्कान को घोड़ी पर बैठाकर बनवारा निकाला। इस मौके पर सहभोज का भी आयोजन किया गया। जिसमें आस-पड़ोस के अलावा रिश्तेदारों व परिजनों ने भाग लिया। बनवारा मौहल्ला खोजावाड़ा, काली का टीब्बा, 11 हट्टा बाजार, फूलचंद मंदिर वाला तक गया।

हरियाणा केंद्रीय विवि में स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आनलाइन पंजीकरण शुरू

- 23 मार्च तक अभ्यर्थी कर सकेंगे आवेदन, सीयूईटी यूजी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होंगे दाखिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में उपलब्ध स्नातक पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीयूईटी पीजी) के अंतर्गत आनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय में स्नातक कार्यक्रम में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी इस प्रवेश परीक्षा के लिए आगामी 23 मार्च तक आनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने नए सत्र में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप युवाओं के अध्ययन-अध्यापन, अनुसंधान, नवाचार, कौशल विकास व रोजगार सृजन की दिशा में प्रयासरत है। यहां बता दें कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आयोजित होने वाली प्रवेश परीक्षा के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया 23 मार्च तक चलेगी। इस परीक्षा के आधार पर ही विश्वविद्यालय में उपलब्ध विभिन्न स्नातक पाठ्यक्रम में दाखिले करेगा। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सत्र 2025-26 में सीयूईटी के अंतर्गत कुल सात स्नातक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं।

खबर संक्षेप

रास्तों को पक्का करने की मांग

नारनौल। सागरपुर गांव से गुजरवास तथा भौड़ी गांव से सिलारपुर गांव जाने वाले कच्चे रास्तों की हालत खराब होने के कारण लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस सम्बन्ध में बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट ने सरकार तथा जिला प्रशासन से तत्काल दोनों कच्चे रास्तों को पक्का करने की मांग की है। अतरलाल ने मुख्यमंत्री व जिला उपायुक्त को भेजे ज्ञापनों में कहा है कि सागरपुर से गुजरवास व भौड़ी से सिलारपुर पहुंचने वाले कच्चे रास्तों की हालत बहुत दयनीय और खराब होने के कारण लोगों को आवाजाही में भारी दिक्कत सामना करना पड़ रहा है।

कृष्णानगर कॉलेज में खेलकूद स्पर्धा सात से

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्णनगर में सात व आठ मार्च को 26वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला उच्च शिक्षा अधिकारी डा. पूर्ण प्रभा करेगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर रजिस्टर इंदिरा गांधी मीरपुर विश्वविद्यालय डा. दिलबाग सिंह मुख्य अतिथि होंगे। इस दो दिवसीय प्रतियोगिता के दौरान दौड़, शॉटपुट, ऊंची कूद, लंबी कूद सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। महाविद्यालय के प्राचार्य अजीत सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र छात्राओं को नगद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

सुनील ने नेशनल पैरा जूडो चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

नारनौल। सुनील कुमार को बधाई देते उपायुक्त डा. विवेक भारती।

नारनौल। उपायुक्त कार्यालय में कार्यरत लिपिक सुनील कुमार ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में आयोजित नेशनल पैरा जूडो चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल जीतकर जिले का नाम रोशन किया। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने सोमवार को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सुनील कुमार हिसार जिला के गांव कापड़ों का स्थाई निवासी है। नेशनल पैरा जूडो चैंपियनशिप में प्रतियोगिता में पंजाब, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना सहित पूरे भारत से आए पैरा जूडो खिलाड़ियों ने भाग लिया था। सुनील कुमार ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल से स्वर्ण पदक अपने नाम किया। डीसी ने कहा कि सुनील कुमार की यह उपलब्धि युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है। सुनील कुमार ने अब तक 13 राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है। इनमें से 10 बार गोल्ड व तीन बार सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। सुनील कुमार ने 12 अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इनमें से तीन गोल्ड, चार सिल्वर व चार ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कर चुके हैं।

बेमौसमी बारिश से फसल को नुकसान, विशेष गिरदावरी कराए सरकार: मंजू चौधरी

मंजू चौधरी

नांगल चौधरी। कांग्रेस की विधायक मंजू चौधरी ने सिलारपुर, भुंगारका, मूसनोता, गोद बलाहा, भांखरी गांव में फसलों का जायजा लिया। बेमौसमी बारिश से सरसों व गेहूं की फसल को नुकसान होने की पुष्टि पर उन्होंने सरकार से विशेष गिरदावरी कराने की मांग की है। जिन किसानों की फसल आड़ी पड़ गई, उसे भी प्राकृतिक आपदा में शामिल करके मुआवजा मांगा है। उन्होंने कहा कि नांगल चौधरी हलके के अधिकांश गांव नहरों से अटेच नहीं, बोरवेलों के जलस्रोत सूखे हुए हैं। ऐसे में किसानों की फसल सिंचाई व्यवस्था राम भरोसे बनी हुई है। अक्टूबर महीने में हल्की बारिश होने के बाद किसानों ने सरसों, चना तथा नहरों के साथ में गेहूं की फसलें बोई थी। प्रति एकड़ पर 10 से 12 हजार का खर्चा करके फसल को तैयार किया था, जो अब पकने के कगार पर खड़ी है, लेकिन बीते दिनों बेमौसमी बारिश, तेज अंधड़ तथा ओलावृष्टि से फसल को भारी नुकसान हुआ है। बारिश व तेज हवा के चलते गेहूं की फसल आड़ी पड़ गई। जिसकी बल्लियों में दाने का पकना संभव नहीं। जिला प्रशासन को प्रत्येक गांव में स्पेशल गिरदावरी कराने की मांग की है। इसके लिए विधानसभा में सरकार से जल्द ही मुआवजा वितरण करने की गुहार लगाई जाएगी। इस मौके पर रतिराम, बिक्रम सिंह, विनोद कुमार, महेश कुमार, रामेश्वर दयाल, रामलाल आदि मौजूद थे।

समाधान शिविर में डीसी ने सुनी जनसमस्याएं, मौके पर निस्तारण

नारनौल। नागरिकों की समस्याएं सुनते डीसी डा. विवेक भारती। *फोटो: हरिभूमि*

नारनौल। समाधान शिविर की कड़ी में उपायुक्त डा. विवेक भारती ने सोमवार को लघु सचिवालय में आमजन की समस्याएं सुनी। डीसी ने सबसे पहले पिछले एक सप्ताह में समाधान शिविरों में रखी गई समस्याओं की समीक्षा की। इसके बाद उन्होंने आमजन की समस्याएं सुन अधिकारियों को शिकायतों का समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की इस अनूठी पहल से आम नागरिकों को अपनी समस्याओं का जल्द निराकरण करवाने का मौका मिल रहा है। सरकार के निर्देशानुसार अधिकारी मौके पर ही समस्याओं का समाधान कर रहे हैं। उपायुक्त ने बताया कि एक एक शिकायत का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन पोर्टल पर रखा जा रहा है। हर मामले में पूरी पारदर्शिता के साथ अधिकारी कार्य कर रहे हैं। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा, नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

नारनौल। कार्यक्रम का शुभारंभ करते अमित शर्मा। *फोटो: हरिभूमि*

छात्र जीवन में की गई मेहतन व्यक्ति को ले जाती है सफलता की ओर : अमित शर्मा

नारनौल। छात्र जीवन में की गई मेहनत व्यक्ति को सफलता की ओर ले जाती है। छात्र छात्राएं जीवन में मेहनत करके अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है। उपरोक्त उदगार जिला समाज कल्याण अधिकारी अमित शर्मा ने राजकीय महिला महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की तीनों यूनिट द्वारा बुढ्ढो माता मंदिर परिसर में संचालित एनएसएस सात दिवसीय कैंम्प में पांचवे दिन मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। इस दौरान अमित कुमार शर्मा ने कहा कि एनएसएस कैम्पों का उद्देश्य यही है कि छात्र छात्राएं समाज में फैली बुराइयों के खातमें में अपना अहम योगदान दें। सामाजिक गतिविधियों में सफाई व्यवस्था, स्वास्थय कैम्पों का आयोजन, दहेज के विरूद्ध अभियान, नशा विरूद्ध अभियान, बुजुर्गों का सम्मान जैसे कार्यों में अपनी अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। अमित शर्मा ने विभाग द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी छात्र छात्राओं को दी। इससे पूर्व अमित शर्मा ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित करके पांच दिवसीय कैम्प का शुभारंभ किया।

शुभम ने यूजीसी नेट पास कर किया नाम रोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

शुभम

जीवन में संघर्ष के दौर से गुजरी राजो के आंसू उस समय खुशी से छलक पड़े, जब उन्हें पता चला कि पोती ने यूजीसी नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। शुभम-उर्फ मोना ने प्रारंभिक शिक्षा आर्मी स्कूल हिसार से प्राप्त की। केंद्रीय स्कूल रेवाड़ी से दसवीं पास की। बारहवीं रायन इंटरनेशनल स्कूल मुंबई से, ग्रेजुएशन मुंबई यूनिवर्सिटी से, पोस्ट ग्रेजुएशन ओपन इग्नू यूनिवर्सिटी नई दिल्ली से की। यूपीएससी की तैयारी छोड़, यूजीसी नेट में 96.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर परीक्षा उत्तीर्ण की है। यूजीसी नेट की परीक्षा पास करते ही शुभम फिर से यूपीएससी की तैयारी में जुट गई। राजो की तीन संतानों में सावित्री, बिमला दो बेटियां व एक पुत्र वीरेंद्र है। 1977 में स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की रैली से वापस आते वक्त ट्रक पलट गया। जहां राजो के पति श्रीराम उस हादसे का शिकार हो गए। अपनी तीनों संतानों के लालन-पालन में एक विधवा ने कोई कोताही नहीं बरती। पिता का साया सिर से उठने के बाद बेटे वीरेंद्र की जिंदगी भी काफी संघर्षपूर्ण रही।

शकूर बस्ती से शुरू होगी व रींगस होते हुए बालाजी तक चलेगी ट्रेन

वार्षिक श्याम मेले के लिए स्पेशल ट्रेन का संचालक शुरू

- बहादुरगढ़, झज्जर, अस्थल बोहर, रेवाड़ी व नारनौल होकर गुजरेगी
- ट्रेन 15 मार्च तक रोजाना चलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। स्पेशल ट्रेन। फोटो: हरिभूमि

प्रदेश के झज्जर, रेवाड़ी व महेंद्रगढ़ जिलों से राजस्थान के सीकर जिले के खाटू में जाने वाले श्याम भक्तों के लिए खुशखबरी है। खाटू में भरने वाले वार्षिक श्रीश्याम मेले के लिए रेलवे ने स्पेशल ट्रेन का संचालक शुरू कर दिया है। यह ट्रेन दिल्ली की शकूर बस्ती से शुरू होगी व रींगस होते हुए जयपुर के ढेहर के बालाजी तक जाएगी। इसी प्रकार यह ढेहर के बालाजी से शुरू होकर वापस शकूर बस्ती तक जाएगी। यह ट्रेन बहादुरगढ़, झज्जर, अस्थल बोहर, रेवाड़ी व नारनौल से गुजरेगी। इस ट्रेन का संचालन 15 मार्च तक रोजाना किया जाएगा। बता दें कि सीकर जिले के खाटू में लगने वाले वार्षिक फाल्गुनी श्रीश्याम मेले के लिए रेलवे ने दिल्ली व हरियाणा वासियों के लिए विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी चलाई है। जिसके तहत यह रेल गाड़ी रोजाना दिल्ली की शकूर बस्ती से दोपहर बाद तीन बजकर 50 मिनट पर चलेगी, जो बहादुरगढ़ शाम को चार बजकर 10 मिनट, अस्थल बोहर जंक्शन चार बजकर 38 मिनट, झज्जर पांच बजकर 10 मिनट, रेवाड़ी छह बजकर 20 मिनट, कुंड छह बजकर 44 मिनट, अटेली शाम छह बजकर 59 मिनट व नारनौल शाम को सात बजकर 19 मिनट पर पहुंचेगी। वहीं यह ट्रेन रींगस रात को नौ बजकर 10 मिनट पर पहुंचेगी।

सुबह सवा आठ बजे रींगस से चलेगी

इसी प्रकार वापसी में यह ट्रेन जयपुर से सुबह सात बजे चलेगी, जो रींगस सुबह सवा आठ बजे पहुंच जाएगी। जिसके बाद यह महेंद्रगढ़ जिला के निजामपुर सुबह 10 बजकर एक मिनट, नारनौल सुबह 10 बजकर 16 मिनट, अटेली सुबह 10 बजकर 33 मिनट, रेवाड़ी जंक्शन पर दोपहर 12 बजकर 20 मिनट, झज्जर 12 बजकर 56 मिनट, अस्थल बोहर दोपहर बाद एक बजकर आठ मिनट व बहादुरगढ़ एक बजकर 36 मिनट पर पहुंचेगी।